अब जहां तक माननीय सदस्य ने कहा कि 6 हजार टन कैपेसिटी है और कम बनता है। तो जहां तक क्षमता का सवाल है उन्होंने कहा कि 8 महीने हो गये, यह उनकी बात सही है । एक जगह कोशिश कर रहे हैं कि क्षमता पूरी हो जाये, पर नहीं हो रही है। बरौनी के इस मामले को प्रश्न के साथ-साथ दिखवाया। इसका उत्तर मेरे पास अभी तक नहीं आया है। इस प्रश्न की सब चीजें चारों तरफ से हमको दिखवाने का मौका मिला है। मैं, अगर माननीय सदस्य चाहें, तो पूरी सूचना बरौनी के बारे में पत्र के साथ ही दे दूं जैसी मैंने माननीय सदस्य श्री शाही जी को कैरोसीन आयल के सिलसिले में दी थी।

Development and expansion of pipelines for the transportation of Oil and Petroleum Products

*395. SHRI DHARAMCHAND JAIN :
SHRI SITARAM KESRI :
SHRI BHISHMA NARAIN SINGH:†

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state :

(a) whether Government have formulated any scheme for the development and expansion of a net-work of pipelines for the transportation of oil and petroleum products; and

(b) if so, what are the details thereof?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) और (ख) जी, नहीं ।

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Bhishma Narain Singh.

†[THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA) : (a) and (b) No. Sir,]

श्री भीष्म नारायण सिंह : आप ऐसा नहीं सोचते कि पाइप-लाइन बिछाकर आयल और पैट्रोलियम प्रोडक्ट्स को आसानी से और सहूलियत से पहुंचाया जा सके ?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : सहूलियत से पहुंचाया जा सकता है । लेकिन माननीय सदस्य ने प्रश्न किया कि सारे देश में आप जाल बिछाने वाले है, तो मैंने उसका उत्तर दिया 'नहीं' । यथायोग्य जैसा होगा, करते रहेंगे ।

श्री भीष्म नारायण सिंह : यह बात ठीक है कि मंत्री जी से मैंने पूछा सारे देश में जाल फैलाने की बात के लिए । परन्तु सारे देश के लिए आप कोई योजना बनाते होंगे, अपना भविष्य देखकर, कोई पांच-साला या दस-साला, तो इस दृष्टिकोण से मैंने यह प्रश्न किया ।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : मान्यवर, भविष्य देखकर कह रहा था कि फौरन ऐसा करने की जरूरत नहीं है ।

श्री खुरशीद आलम खान : क्या मैं वज़ीरे मोहतरिम से यह पूछ सकता हूं कि उन्हें मुस्तकबिल में कोई यकीन है या नहीं । अगर नहीं है तो यह जवाब थोड़ा-बहुत सही हो सकता था । बहरहाल, मेरा सवाल यह है कि अगर आइन्दा ऐसे मुस्तकबिल पर यकीन होने के बाद या कुछ ऐतमाद पैदा होने के बाद आपने यह तय कर लिया कि वह जाल आगे बढ़ायेंगे या नेटवर्क को बिछायेंगे तो क्या आप रेलवे मंत्री महोदय से यह बात करेंगे, ताकि

†[ ]English translation.

आपमें और रेल मंत्री में कोई ऐसा मतभेद न हो जिससे आगे चलकर कोई दिक्कत पैदा हो जाय ।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : जनाबे-आला, माजी इस बात का गवाह है कि मुस्तकबिल के साथ हमारा मुसलसल ताल्लुक रहा है । जहां तक माननीय सदस्य का सवाल है, अगर वह माजी को याद करें तो उन्हें लगेगा कि वे किस कदर गुमराह हुये हैं । मैं उन्हें ज्यादा गुमराह नहीं करना चाहता हूं । जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि आइन्दा जब कभी इस तरह की पाइप लाइन बिछानी पड़ेगी तो जरूर रेल मंत्री से मशविरा कर और सभी तरह से जितने विचार है उन सब ख्यालात को सामने रखकर ही इस बात को करेंगे ताकि वह गलती न हो जो माजी में हो चुकी है इस पाइप लाइन को बनाने में कि वह ठीक कोल फील्ड के ऊपर चली गयी, इस तरह की माजी की गलतियां मुस्तकबिल में करने का इरादा नहीं है ।

श्री खुरशीद आलम खान : इतना अर्ज करता हूं कि माजी में हमारी रहनुमाई में . . . (*Interruptions*)

Discrimination in the matter of writing Confidential Reports of and Awarding Punishment to Employees belonging to the Scheduled Castes/ Tribes

*396. SHRI N.P. CHAUDHARI† :
SHRI GURUDEV GUPTA :
SHRI YOGENDRA MAKWANA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether any cases of discrimination shown against the railway employees belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the matter of writing confidential reports and awarding punishment in disciplinary cases have recently come to Government's notice, particularly in the Allahabad Division; and

(b) whether Government have enquired into the matter and if so, with what results and what action Government have taken against the officers showing such discrimination?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

श्री एन० पी० चौधरी : माननीय सभापति महोदय, यह बहुत दुःख की बात है कि हमारे रेलवे मंत्री अफसरशाही के शिकार हैं । मैंने स्वतः उनको बहुत से ऐसे केसेज दिये है जिनमें हरिजन और आदिवासी रेल कर्मचारियों के साथ अन्याय हुआ है । उनके प्रमोशन पन्द्रह-पन्द्रह साल से रुके हुये हैं और अफसरों के कहने की वजह से, उनकी रिपोर्ट के ऊपर, वह न्याय नहीं दे पाये हैं । स्वतः मैंने चार-पांच ऐसे केसेज उनको दिए हैं मगर मंत्री महोदय की स्मरण शक्ति कम हो गई है और उन्हें याद नहीं है इसलिए गलत रिप्लाई उन्होंने दिया है मैं उनसे जानना चाहता हूं कि क्या उनको यह जानकारी हैं कि शेड्यूल्ड कास्ट और शेडयूल्ड ट्राइब्स के लोगों की जो सी०आर० लिखी जाती है, और जनरल क्लास वालों की जो सी० आर० लिखी जाती है कांफिडेंशियल रिपोर्ट लिखी जाती है, तो उसमें शेडयूल्ड कास्ट और शेडयूल्ड ट्राइब्स की सी० आर० अधिक खराब की जाती है—जेनरल क्लास की तुलना में । इसलिए वे रह जाते हैं और उनका प्रमोशन रुक जाता है और विक्टिमाइजेशन होता है । क्या इसकी जानकारी मंत्री जी को है या नहीं ?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri N.P. Chaudhari.